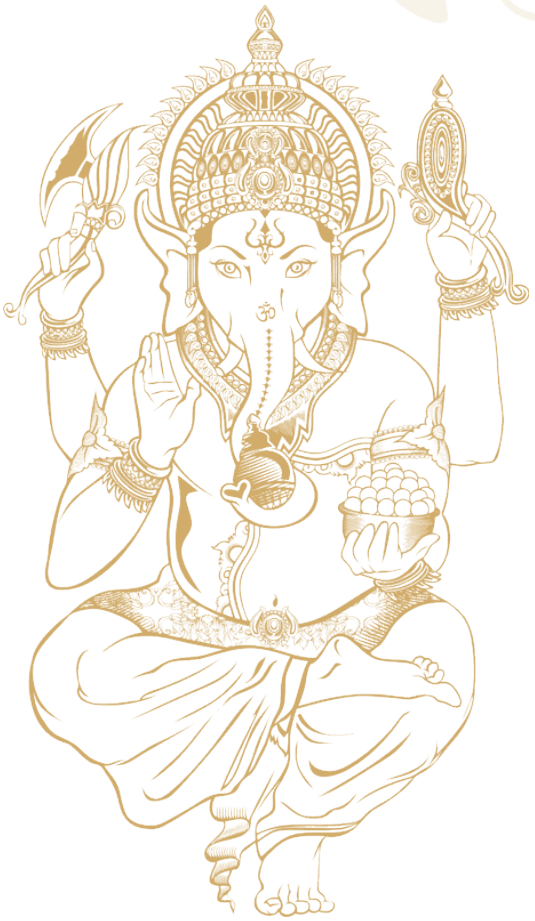

Mr.

13 Mar 2026

07:15 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121569406

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/03/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:15:00 घंटे**
इष्ट	01:43:26 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:53:52 घंटे
वेलान्तर	-00:09:30 घंटे
साम्पातिक काल	18:16:43 घंटे
सूर्योदय	06:33:37 घंटे
सूर्यास्त	18:28:07 घंटे
दिनमान	11:54:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	28:15:47 कुम्भ
लग्न के अंश	11:44:31 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्यतिपात
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भू-भूपेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	11:44:31	513:51:36	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	---
सूर्य			कुंभ	28:15:47	00:59:53	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	16:36:57	12:05:54	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	14:01:48	00:47:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	17:21:09	00:47:00	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	20:52:07	00:00:23	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	14:00:33	01:14:30	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	08:57:59	00:07:24	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:40:16	00:00:50	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:40:16	00:00:50	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:49:33	00:01:52	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:15:49	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:36:50	00:01:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	09:36:48	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

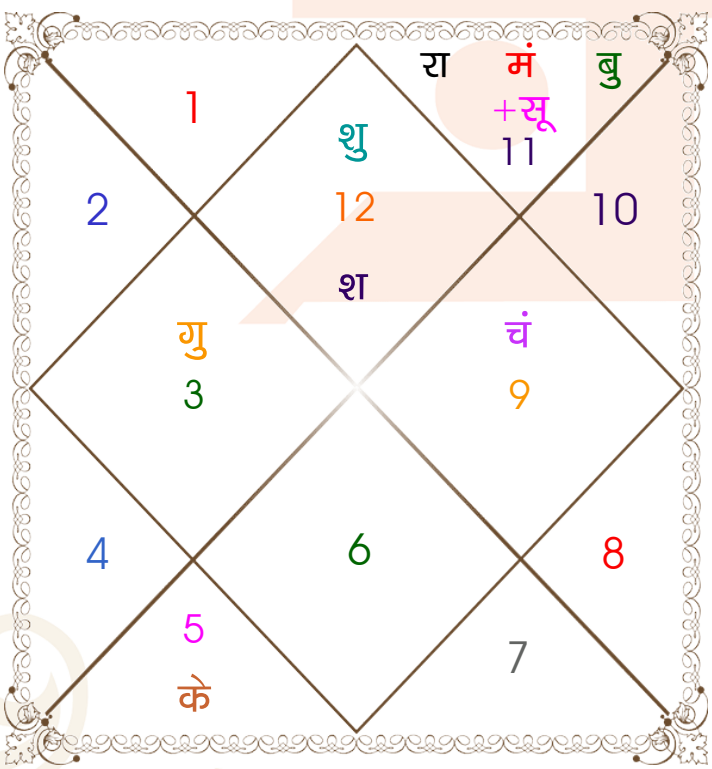

चन्द्र कुंडली

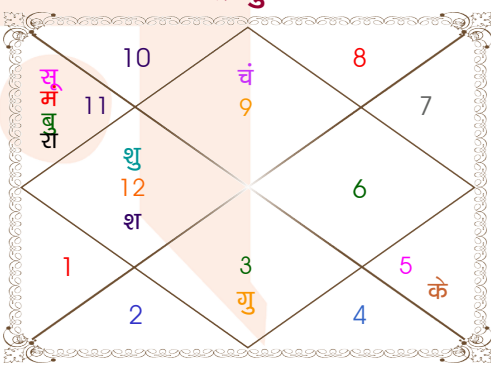

नवमांश कुंडली

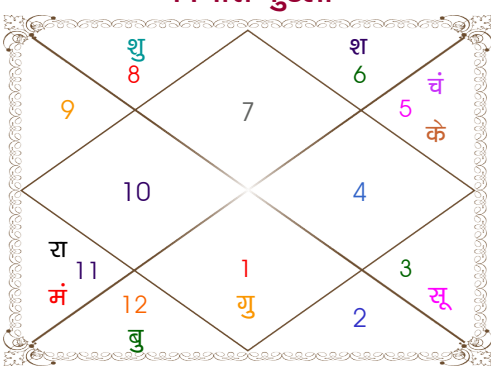

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 15 वर्ष 0 मास 27 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
13/03/2026		09/04/2041		10/04/2047		09/04/2057		09/04/2064	
09/04/2041		10/04/2047		09/04/2057		09/04/2064		10/04/2082	
	00/00/0000	सूर्य	28/07/2041	चंद्र	08/02/2048	मंगल	06/09/2057	राहु	21/12/2066
	13/03/2026	चंद्र	27/01/2042	मंगल	08/09/2048	राहु	24/09/2058	गुरु	16/05/2069
चंद्र	10/04/2027	मंगल	04/06/2042	राहु	10/03/2050	गुरु	31/08/2059	शनि	22/03/2072
मंगल	09/06/2028	राहु	28/04/2043	गुरु	10/07/2051	शनि	09/10/2060	बुध	09/10/2074
राहु	10/06/2031	गुरु	14/02/2044	शनि	08/02/2053	बुध	06/10/2061	केतु	28/10/2075
गुरु	08/02/2034	शनि	26/01/2045	बुध	10/07/2054	केतु	04/03/2062	शुक्र	28/10/2078
शनि	09/04/2037	बुध	03/12/2045	केतु	08/02/2055	शुक्र	04/05/2063	सूर्य	21/09/2079
बुध	08/02/2040	केतु	10/04/2046	शुक्र	09/10/2056	सूर्य	09/09/2063	चंद्र	22/03/2081
केतु	09/04/2041	शुक्र	10/04/2047	सूर्य	09/04/2057	चंद्र	09/04/2064	मंगल	10/04/2082

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
10/04/2082		10/04/2098		10/04/2117		11/04/2134		10/04/2141	
10/04/2098		10/04/2117		11/04/2134		10/04/2141		00/00/0000	
गुरु	28/05/2084	शनि	14/04/2101	बुध	07/09/2119	केतु	07/09/2134	शुक्र	10/08/2144
शनि	09/12/2086	बुध	23/12/2103	केतु	03/09/2120	शुक्र	07/11/2135	सूर्य	10/08/2145
बुध	16/03/2089	केतु	30/01/2105	शुक्र	05/07/2123	सूर्य	14/03/2136	चंद्र	14/03/2146
केतु	20/02/2090	शुक्र	01/04/2108	सूर्य	11/05/2124	चंद्र	13/10/2136		00/00/0000
शुक्र	21/10/2092	सूर्य	14/03/2109	चंद्र	10/10/2125	मंगल	11/03/2137		00/00/0000
सूर्य	09/08/2093	चंद्र	13/10/2110	मंगल	07/10/2126	राहु	30/03/2138		00/00/0000
चंद्र	09/12/2094	मंगल	22/11/2111	राहु	26/04/2129	गुरु	05/03/2139		00/00/0000
मंगल	15/11/2095	राहु	28/09/2114	गुरु	02/08/2131	शनि	13/04/2140		00/00/0000
राहु	10/04/2098	गुरु	10/04/2117	शनि	11/04/2134	बुध	10/04/2141		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 15 वर्ष 0 मा 15 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।